TRACK - 8

एस. डेनियल सम्पत कुमार

डू। नंबर: 147, थिरुनीलाई कॉलोनी, विचूर (पोस्ट),

चेन्नई -600103

S.DANIEL SAMPATH KUMAR

No. 147, Thirunilai colony ,
vichoor post , chennai - 600 103
E-Mail : sdanielsampathkumar@gmail.com
Website : danielendtimebooksministry.org
Phone No : 99419 74213 , 96001 71260

HINDI

The Spoken Word

by

WILLIAM MARRION BRANHAM

तो फिर तुम ने किस का बपतिस्मा लिया?

UNTO WHAT THEN WERE YE BAPTIZED

बपतिस्मा मसीही गिरजो का एक भाग रहा हैं जब से यहुन्ना बपतिस्मा देने वाला प्रभु यीशु मसीह के आगमन में आगे -आगे चला। यहुन्ना लोगो को प्ररिचत के लिए यरदन नदी में बपतिस्मा देता था (मत्ती ३) और उसका सन्देश लोगों के हृदय को इस लिये तैयार कर रहा था कि वे यीशु मसीह को प्रभु मान कर ग्राहण करे (यशायाह ४०:३) यीशु ने स्ंवय भी यहुन्ना से बपतिस्मा लिया (मत्ती ३:१३-१७) और वह हमारा आदर्श हैं।

बहुत से लोग जो यीशु मसीह को अपना बचाने वाला और आज प्रभु जानकर ग्रहण करते हैं उन्होंने अपने गिरजो में पिता,पुत्र और पवित्र आत्मा का बपतिस्मा परमेश्वर के वचन (मत्ती २८:१९) को प्रमाणिक जानकर लिया हैं '' इसलिये तुम जाकर सब जातियों के लोगों को चेला बनाओ और उन्हें पिता और पुत्र और पवित्रात्मा के नाम से बपतिस्मा दो। ''

और यही लोग जो परमेश्वर के हर वचन को सत्य जानते हैं वही उसको ना मान कर या एक ओर कर के (प्रेरितो के काम २:३८) '' पतरस ने उन से कहा , मन फिराओं , और तुम में से हर एक अपने अपने पापों की क्षमा के लिये यीशु मसीह के नाम से बपतिस्मा ले, तो तुम पवित्र आत्मा का दान पाओगे। '' क्योंकि उनके गिरजो को शिक्षा जहाँ प्ररितो के काम २:३८ का प्रकाशन नहीं हैं पतरस के शब्दों को हमारे प्रभु यीशु के शब्दों से दूसरे दर्जे का जाना जाता हैं।

मत्ती ४:४ में यीशु ने स्वय कहा है कि''मनुष्य केवल रोटी ही से जीवित नहीं रहेगा परन्तु हर उस वचन से जो परमेश्वर के मुख से निकलाता हैं जीवित रहेगा '' प्रश्न यह बनता हैं कि वे शब्द जो पतरस के द्धारा बोले गये हैं (प्रेरितो के काम २:३८) वह जो यीशु ने मत्ती २८:१९ मे कहा हैं उससे मेल नहीं खाते ? परमेश्वर के वचन अपने में विरोधाभास नहीं हो सकते जब की मनुष्य कि अपनी समझ में परमेश्वर के अचूक शब्द विराधात्मक प्रतीत होते हैं ।

कृपया इन विचारों को देखे कि इनका अवश्य ही कोई उत्तर होगा क्योंकि परमेश्वर का वचन सच्चा हैं (यहुन्ना १७:१७) और सत्य आप व्यक्तिगत के लिये प्रकाशन होगा यदि आप प्रभु यीशु को जानना चाहते हैं और उससे परिचित हैं । अपनी कलीसिया के लिये उसका आना बहुत ही निकट हैं ।

कारण यह हैं कि निष्कपट लोग गुमराह हैं कुछ भ्रमक स्थितियों में हैं क्योंकि संगठित गिरजों की धार्मिक शिक्षाओं ने पवित्र आत्मा द्धारा प्रकशित परमेश्वर के वचनों को अपने मतो से बदल दिया हैं ।

पिता और पुत्र और पवित्र आत्मा का क्या नाम हैं ? और बहुत से इस छोटे निबन्ध को पढने वाले अपने उपाधियों वाले गिरजों में बपतिस्मा पा चुके होगे ; कोई छिड़काव से या कोई मत्ती २८:१९ के अनुसार पानी में डूब कर और तब भी वह नाम नहीं जानते । बहुत से पानी में उतर के लिये जाने वाले बपतिस्में ही मानते हैं परन्तु पहले इसके कि आप बपतिस्मा लें आप को नाम मालूम होना चाहिये ।

पिता नाम नहीं हैं, पुत्र नाम नहीं हैं पवित्र आत्मा नाम नहीं हैं

क्या यह अजीब बात ना होगी यदि आप अपने बैक खाते पर पिता शब्द के या पुत्र या दादा शब्द के हस्ताक्षर कर दे? आप जानते हैं ऐसा चैक मान्य नहीं होगा तो फिर हम पिता,पुत्र,पवित्र आत्मा कि उपाधियों में क्यों बपतिस्मा लेते हैं ।

यह लघु निबन्ध उन सब बातो को जो इस से सम्बन्धित हैं नहीं ले पायेगा जैसा कि प्रभु यीशु मसीह के नाम का प्रकाशन जो पवित्रशास्त्र में दिया गया है. । परन्तु आपका ध्यानाकार्षण उन त्रुटियों पर जो त्रिएकता का मत हैं और त्रिएकता कि उपाधियों वाले बपतिस्में की ओर लाये जा रहा हैं ताकि आप परमेश्वर के वचन में यह चीज़े खोजे और देखे कि ऐसा ही है, या नहीं (प्ररितो के काम १७:११)

परमेश्वर ने अपने वचन में प्रतिज्ञा कि हैं कि वह हमारे प्रभु यीशु मसीह के आगमन से ठीक पहले कलीसियाओं के लिए एलिय्याह की आत्मा और सामर्थ में एक भविष्यद्धक्ता को भेजेगा कि परमेश्वर के नये जन्म पाये बालको को वचन की और फेर दे । इस लघु निबन्ध की सच्चाई और दूसरी सच्चाईयों को हमारे प्रभु ने विलियम ब्रन्हम की सेवकाई के द्धारा पुष्टि कि है (मलाकी ४:५-६)

प्रभु सर्वशक्तिमान परमेश्वर होने दे कि आप के ऊपर वह अपने को और अपने नाम प्रभु यीशु मसीह को प्रकाशित करें । यहुन्ना १७:३ कहता हैं '' और अनन्त जीवन यह हैं कि वे तुझे अद्धैत सच्चे परमेश्वर कों और यीशु मसीह को जिसे तूने भेजा हैं , जाने । ''

मत्ती २४:४४ में यीशु आगे कहते हैं '' इसलिये तुम भी तैयार रहो क्योंकि जिस घड़ी के विषय में तुम सोचते भी नहीं हो उसी घड़ी मनुष्य का पुत्र आ जायेगा । ''और यदि अब तक आपने परमेश्वर के वचन के अनुसार मसीही बपीतस्मा नहीं लिया हैं और आप प्रभु यीशु मसीह के आगमन के लिये तैयार होना चाहते हैं तो आप प्रार्थनाओं के साथ प्रभु पर निर्भर कर सकते हैं और प्रेरितो के काम २:३८ के अनुसार बपतिस्मा ले ।

जो इस सच्चाई से सम्बन्धित हैं विलियम ब्रन्हम के धर्म उपदेशों की पुस्तक और टेप निवेदन पर उपलब्ध हैं और परमेश्वर के वचन से दूसरे सन्देश भी सम्पर्क द्धारा मिल सकते हैं ।

'' और यह भी जानते हैं, कि परमेश्वर का पुत्र आ गया हैं और उसने हमे समझ दी हैं , कि हम उस सच को पहचानें, और हम उसमें जो कि सत्य हैं, अर्थात उसके पुत्र यीशु मसीह में रहते हैं ; सच्चा परमेश्वर और अनन्त जीवन वही है ''

बाईबल इस बात को स्पष्ट रूप से कहती हैं कि परमेश्वर शरीर बना उसने और हमारे बीच वास किया। यीशु ने जो पुत्र हैं यहुन्ना१४:७ में अपने चेलों से कहा। '' यदि तुमने मुझे जाना होता तो तुम मेरे पिता को भी जानते और अब हम उसे जानते हो और तुम ने उसे देखा भी हैं। ''

यदि उन्होने यीशु को जाना होता ! क्या वे उसे जानते थे ? जी हाँ; वे उसे जानते थे। परन्तु वे उसे केवल एक मनुष्य के रूप में जानते थे; उनके पास यह प्रकाशन नहीं था कि परमेश्वर जो आत्मा होते हुये भी शरीर और लोहू में प्रगट हुआ हैं जैसे कि यीशु ने कहा'' यदि तुमने मुझे जाना होता तो तुम मेरे पिता को भी जानते'' और केवल पिता को ही नहीं जानते परन्तु पिता को देखा भी होता। यह वह प्रकाशन हैं कि परमेश्वर एक आत्मा पुत्र बन कर शरीर और लोहु में आया कि उस मसीह की कलीसिया इस पर बने और प्रत्येक नया जन्म पाये पुत्र और पुत्री को यह प्रकाशन होना चाहिये ताकि जब वह आये तो वे उसके साथ हो।

यहुन्ना १४:१६-२० इसी सत्य कि पुष्टि करता हैं जब यीशु उस सहायक के विषय में बात कर रहा था जो कि परमेश्वर का प्रगटीकरण विश्वसीयों के लिये और उनके अन्दर होगा। जब कि पुत्र का शरीर और लोहु क्रूस पर होकर हमें छुड़ा लेता हैं । उस समय तक सहायक नहीं आया था; परन्तु यीशु ने कहा कि वे उसे जानते हैं ! क्यों ? क्योंकि यीशु ही पवित्रआत्मा सहायक माँस और लोहु में प्रगट हुआ परन्तु कलवरी के बाद वह उनके पास आयेगा और उन में होगा।

आप कह सकते हैं '' यीशु ने इसी तरह से बपतिस्मे के लिये कहा हैं मेरे लिये यही बहुत हैं '' यह सत्य हैं कि यीशु ने यह आज्ञा दी हैं, और मत्ती २८ के २० पद में पक्के तौर पर कहा गया हैं यदि यह आज्ञा सिखाई जायेगी तो वह सदैव हमारे संग हैं

क्या पौलूस को दमिशक के मार्ग पर जो आग का खम्भा मिला था या वह जो पिन्तेकुस्त के दिन पतरस और शेष ११९ लोगों में भर गया था ; जो ऊपर की कोठरी में थे । क्या वह वही यीशु नहीं था (प्रेरितो के काम २:१-४) यहुन्ना १४:१६-१८ में यीशु ने भी कहा हैं '' और मैं पिता से प्रार्थना करूगा और वह तुम्हें एक और सहायक देगा कि वह सर्वदा तुम्हारे साथ रहे अर्थात सत्य का आत्मा , जिसे संसार ग्रहण नहीं कर सकता क्योकि वह न उसे देखता हैं और न उसे जानता हैं , तुम उसे जानते हो, क्योकि वह तुम्हारे साथ रहता हैं और वह तुम में होगा। मैं तुम्हें अनाथ नहीं छोडू गा मैं तुम्हारे पास आता हूँ। '' यह हमारा प्रभु यीशु मसीही था जो कि क्रुस पर चढ़ने और मरने के बाद जीवित हुआ था जो पतरस के द्वारा प्रेरितो के नाम २:१४-३६ में बोला और जो शब्द बोले गये उसे सुनने वालों ने अपने को दोषी पाया जिन्हों ने यीशु को क्रूस पर चढ़ाया था और यही उनके चिल्ला उठने का कारण बना '' कि हे भाईयों अब हम क्या करे ? '' (प्रेरितो २:३७ तब ३८ वे पद में प्रभु यीशु अब भी पतरस के द्वारा बोल रहे हैं। पतरस ने कहा'' मन फिराओ, तुम में से हर एक अपने अपने पापों कि क्षमा के लिये यीशु मसीह के नाम से बपतिस्मा ले; तो तुम पवित्र आत्मा का दान पाओगे ''

जंबकी मत्ती २८:१९ में यीशु ने कहा कि पिता,पुत्र और पवित्र आत्मा के नाम से बपतिस्मा दो। वह अपने विषय में सत्य के प्रकाशन के लिये ही बोल रहा था और उसी नाम के लिये और हर नया जन्म पाया पवित्र आत्मा से भरा हुआ परमेश्वर का बच्चा अपने स्वर्गिय पिता का नाम जानता हैं।और पानी में यीशु नाम जो कि पिता था प्रकट नाम हैं उससे बपतिस्मा लेगा (यहन्ना १७:६)

पिता और पुत्र और पवित्र आत्मा का नाम प्रभु यीशु मसीह हैं और एक मसीही विश्वासी के लिये केवल यही एक मार्ग हैं कि उसे प्रभु यीशु मसीह के नाम में बपतिस्मा लेना चाहिये। छिड़काव के द्वारा नहीं परन्तु पानी में डूब कर जैसै यीशु ने लिया था। उसी के द्वारा जो पवित्र आत्मा से भरा हुआ हो और जिसे यह प्रकाशन हो।

यदि अपने उपाधियों में बपतिस्मा लिया हैं तो आपको फिर से प्रभु यीशु मसीह के नाम में बपतिस्मा लेना चाहिये। हर एक मसीही को प्रेरितो के काम २:३८ के अनुसार बपतिस्मा लेना चाहिये। पवित्र आत्मा के दान पाने का केवल एक मात्र तरीका परमेश्वर की ओर से यही हैं। कुलसियों ३:१७ कहता हैं " और वचन से या काम से जो कुछ भी करो सब प्रभु यीशु के नाम से करो और असके द्वारा परमेश्वर पिता का धन्यवाद करो"

सही में, अपराध स्वीकरण और कार्यो के लिये बपतिस्मा ही शब्द हैं

परमेश्वर के वचन में, परमेश्वर होने के नाते व्यक्तियो कि कोई त्रिएकता का संदर्भ नहीं हैं। त्रिएकता का मत वचन के साथ मेल नहीं खाता, यह त्रुटी हैं। यहुन्ना ४:२४ में "परमेश्वर आत्मा हैं" और अवश्य है। उसके भजन करनेवाले आत्मा और सच्चाई से भजन करे।" मरकुस १२:२९ " हे इस्राएल सुन, प्रभु हमारा परमेश्वर एक ही प्रभु हैं। "इफिसियों ४:५-६ में भी " और सब का एक ही परमेश्वर और पिता हैं, जो सब के ऊपर और सब के मध्य में और सब में हैं।"

त्रिएकता का सिद्धान्त और पिता और पुत्र और पवित्र आत्मा की उपाधियों में बपतिस्मा जो कि पहले संगठित उपाधि वाले गिर्जे और दूसरे संगठित गिर्जो का आधार बना। यह मत गिर्जो में लगभग ३२५ ई. निसियन सभा के द्वारा लाया गया और आपको यह परामर्श देते हैं कि आप अपने यहाँ कि लाईब्रेरी में निसियन सभा की कार्यवाही के अभिलेख से स्वंय पुष्टि करें।

प्रभु यीशु मसीह का प्रकाशन वह चट्टान हैं जिस पर कलीसिया जों कि उस मसीह का शरीर हैं, बनता हैं (मत्ती १६:१६-१८) जो भी हैं मनुष्यों के तर्क-वितर्क, त्रिएकता का व्यक्तियों का सिद्धान्त और उपाधियों का बपतिस्मा, प्रभु यीशु मसीह के प्रकाशन का उपस्थान बना और अपाधि वाले पद्धति का जैसे कि आज के दिन हैं, एक आरम्भ हुआ।

परमेश्वर आत्मा हैं (यहुन्ना ४:२४) परन्तु उसके तीन प्रग्टिकरण हैं या उसके तीन कार्य रूप हैं जैसे पिता में सृष्टि रचियता का प्राकशत या प्रग्टिकरण या शरीर में उसका प्रग्टिकरण और यीशु हमारे बचाने वाले का पुत्र और पवित्र आत्मा के रूप में अपने आप को अपने वचन के प्रगट करना जैसे कि आप आज भी पढ़ते हैं।

परमेश्वर आत्मा हैं कि अपने लोगों को छोड़ाकर अपनो से मिलाने आया, उन को जो खो गये थे। अपने पुत्र में शरीर और लोहु द्वारा आकर (ईब्रानियों १०:५)। पुत्र शरीर के रूप में जो कुवारी से उत्पन्न हुआ। जोकि अदन बाटिक में हुये पाप से हट कर आने के लिये अवश्य था। और उस पर पवित्र आत्मा कि छाया हुयी (लूका १:३५) क्या यीशु जो पुत्र हैं उसके दो पिता हैं ?

त्रिएकता और वननैस दोनों ही मत त्रुटि पर हैं। परमेश्वर का वचन प्रभु यीशु मसीह का ही प्रकाशन प्रगट करता हैं और हर मसीही को यह स्वीकार करना हैं कि यीशु परमेश्वर का पुत्र हैं (१ यहुन्ना ४:१५)

यीशु जो कि पुत्र हैं शरीरं या मांस और लोहू का मन्दिर हैं जिसमें पिता जो कि आत्मा हैं निवास करता या प्रकट हुआ। यह बात यीशु को जो पुत्र त्रिएकता के व्यक्तियों का दूसरा भाग नहीं बनाता परन्तु परमेश्वर का एक प्रग्टिकरण हैं (यहुन्ना १:१ और १४)। मांस और लोहु का शरीर, हमारा बलिदान था कि उसके लोहु के द्वारा हम उसके पास हियाव से आ सकते हैं (इब्रानियों १०:१९) और उसे जानते और उसमें हैं। १यहुन्न ५:२०